हिंदी विश्वविद्यालय के रासेयो ने मनाया 'स्वच्छता एवं श्रमदान पखवाड़ा'

स्वच्छता रखना भी राष्ट्रीय सेवा है - कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा - महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से 18 से 31 अगस्त के दौरान 'स्वच्छता एवं श्रमदान पखवाड़ा' मनाया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर की स्वच्छता, प्लास्टिक हटाव अभियान, नाली की सफाई, पौधों के संरक्षण हेतु घास सफाई, दिनकर गार्डन में श्रमदान, नजीर हाट, गांधी हिल, समता भवन में सफाई अभियान आदि गतिविधियां की गयी। रासेयो के स्वयंसेवकों को कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने स्वच्छता एवं श्रमदान की शपथ दिलायी और स्वच्छता पर स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। प्रो. मिश्र ने कहा कि हमारे परिसर की स्वच्छता करने से ही हम एक तरह से राष्ट्रीय सेवा करते हैं। इसलिए नियमित परिसर स्वच्छ रखें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संदेश उन्होंने इस अवसर पर दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वच्छता एवं श्रमदान पखवाडे की शुरुआत 18 अगस्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की उपस्थिति में गांधी हिल से की गयी। पखवाड़े के शुरुआत में रासेयो के स्वयंसेवकों को कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने स्वच्छता एवं श्रमदान की शपथ दिलायी और स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन भी किया। लगभग 45 स्वयंसेवकों ने स्वच्छता एवं श्रमदान की शपथ ली। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, प्रो. के. के सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक राजेश लेहकपुरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुप्रिया पाठक, बी. एस. मिरगे, सहायक कुलसचिव, परिसर विकास, डॉ राजेश्वर सिंह, सुरक्षा अधिकारी राजेंद्र घोडमारे, लीला प्रभारी गिरीश पांडे की प्रमुख उपस्थिति थी। स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम के उदघाटन कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुप्रिया पाठक तथा धन्यवाद ज्ञापन बी. एस. मिरगे ने किया।

पहले दिन गांधी हिल की सफाई की गई। साथ ही गांधी हिल कॅफे और परिसर की प्लास्टिक सफाई की गयी। 19 अगस्त को गांधी हिल से लेकर प्रशासनिक भवन तक लगाए गए पौधों से सटी घास की सफाई की गई। 20 अगस्त को स्वयंसेवकों ने दिनकर गार्डन पर बिखरें पत्थर को व्यवस्थित लगाया, वहाँ से ठीक रास्ता बनाया। स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कुलसचिव डॉ राजेंद्र प्रसाद मिश्र महोदय ने स्वयं उपस्थित रहकर रासेयो स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन कर स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम में अपना सक्रिय योगदान दिया। उनकी उपस्थिति से राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों का काफी उत्साह बढा।

21 से 23 अगस्त तक अभियान दिनकर गार्डन में ही श्रमदान के रूप में चलाया गया। 24 अगस्त विश्वविद्यालय परिसर में प्रशासनिक भवन से लेकर महिला छात्रावास तक प्लास्टिक सफाई अभियान चलाया गया। 25 अगस्त को महिला छात्रावास से लेकर नजीर हाट तक प्लास्टिक सफाई अभियान

चलाया गया। 29 और 30 अगस्त को समता भवन के पीछे की नाली की सफाई की गयी और उसमें से निकाला कूड़ा-कचरा भी साफ किया गया। 31 अगस्त को गांधी हिल पर स्वच्छता एवं श्रमदान पखवाड़े का समापन किया गया।

इस अवसर पर प्रदर्शनकारी कला विभाग के सहायक प्रोफेसर तथा रासेयो के पूर्व संयोजक डॉ. सतीश पावड़े, 'थांग ता' कला के प्रशिक्षक विश्वजीत, मणिपुर राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक राजेश लेहकपुरे, कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. पावड़े ने कहाँ कि पखवाड़े का आयोजन स्वच्छता की आपको आदत लगाने के लिए है। स्वच्छता रखने से बाहर की सफाई के साथ अपने मन की सफाई भी होती है। इसलिए इस पखवाड़े का आयोजन महत्त्वपूर्ण है। समापन कार्यक्रम का

संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक राजेश लेहक्पुरे ने और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी

बी. एस. मिरगे ने किया।

इस पखवाड़े में सक्रिय सहभागिता करनेवाले रासेयो स्वयंसेवकों में देवेश दूबे, पीयूष भारद्वाज, भावना शर्मा, कुमार मौसम, ज्योति कुमारी, सुमन मीना, रंजीत कुमार त्रिपाठी, भँवरलाल सेंच्या, देवेश कुमार चंद्रा, साधना, राजनंदनी, सटवाजी वानोले, श्रीप्रकाश पाल, नीरज छिल्वार, पी. अंजिली, धारित्रि स्वाइन, सुभाष चंद्रा, शैलेश भारती, भावना पटेल,

कालिदास कासिद, शशिभूषण, धर्मेन्द्र उपाध्याय, शाहिद, अली, दिपू कुमार चौधरी, गौरव महेंद्र गड़ेकर,

सौरभ गुप्ता, देवयानी झाडे, कविता, जसीम अहमद, आशना सिद्दीकी, स्नेहा कुमारी, प्रियंका ठाकुर,

स्वेता साहू, मोनिका मरस्कोल्हे, रानु सोलंकी, मंगेश भोकटे, शुभम, अभिषेक व्दिवेदी, अभिकांत गायकवाड, सुधीर कुमार, बालकिशन बानो, विनीत तंबियाम, अमित श्यामडिवाल, प्रिया माली, गोदावरी, वी. एम. पलेरिया, संगीता, गौरव कुमार, गौरव चौहान, आशीष पांडे, सुरेश दास, नरेश नागेश्वर, नेमचंद महंतो, राम फरानडे,अमित जयसवाल, अमित कुमार यादव, विकास कुमार, प्रियका अस्थाना, रजनी झा, संदीप पांडे, प्रीतम कुमार, नेहा ओझा, चैताली घोष, रंजन लाल, सौरभ कुमार, संजय दान, संजु, ममता रूपसिंह, भूमिका राजन, प्रमोद जताये, मो. रेयाज़ अंसारी, सत्यव्रत यादव, मूसलीमा अख्तरा , देवराज कुमार, महेश दुर्गाम , अश्विन श्रीवास ने सक्रिय योगदान दिया।